राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर

राजस्थान में पशु रोग पूर्वानुमान

सितम्बर, 2017

वर्ष–14 **अंक–9**

प्रिय पशुपालक भाइयों, पशु चिकित्सकगण एवं पशुपालन विकास से जुड़े समस्त अधिकारी, कर्मचारीगण–

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि अप्रेल, 2004 से राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के अन्तर्गत पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के वैज्ञानिक उपलब्ध पूर्व आँकड़ों के आधार पर मौसम आधारित पशु रोग पूर्वानुमान लगातार घोषित कर रहे हैं। इस कड़ो में पशु रोग पूर्वानुमान सितम्बर, 2017 माह का प्रस्तुत है। यह पूर्वानुमान वर्ष 1995 से आज तक राज्य भर के पशु रोग आँकड़ों को एक कम्प्यूटर कार्यक्रम द्वारा विश्लेषित कर विशेषज्ञों द्वारा पूर्वानुमान के रूप में ढ़ाला गया है।

सितम्बर माह के लिए निर्दिष्ट सावधानियाँ–

1. पशुबाड़े के आस–पास गन्दा पानी एकत्र ना होने दें ताकि मच्छर, कीट इत्यादि को पनपने व फैलने से बचाया जा सके। अतः पशुपालक जल के निकास का समुचित प्रबंधन करें।
2. हरे चारे की बहु उपलब्धता के कारण पशुओं में हरे चारे के अधिक सेवन से सम्बंधित समस्याऐ जैसे दस्त, आफरा से बचने के लिए पशुओं को नियंत्रित समय/ कम समय ही चारागाह में छोड़े तथा हरे चारे के साथ सूखे चारे को मिलाकर खिलावें।
3. इस बदलते मौसम में विषाणु जनित रोग जैसे खुरपका–मुंहपका, तीन दिन का बुखार ज्यादा होने की सम्भावना रहती है अतः पशुपालक ध्यान दें कि विषाणु जनित रेाग होने पर पशु चिकित्सक से तुरन्त सम्पर्क करें।
4. पशुआ के चारे–दाने को गन्दे बरसाती पानी के संक्रमण से बचा कर रखें। इस प्रकार अन्तः परजीवियों के संक्रमण से भी पशुओं को बचाया जा सकेगा।
5. परजीवीनाशक दवा का घोल देने से पशुओं को परजीवी प्रकोप से बचाया जा सकता है, इससे पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार होगा और जो चारा–बांटा पशु खाता है उसका भी शरीर में सदुपयोग होगा। परजीवीनाशक दवा को हर बार बदल–बदल कर उपयोग में ले।
6. वर्षा का समय लगभग खत्म हो रहा है तथा रात में मौसम ठंडा होने से छोटे पशुओं में न्यूमोनिया जैसे रोगों से बचाव के लिये उन्हें रात्रि में छप्पर अथवा पेड़ के नीचे बांधे।

सर्वाधिक सम्भावित संक्रामक पशु रोग पूर्वानुमान–सितम्बर, 2017

पशु रोग	पशु प्रकार	क्षेत्र
मुँह–खुरपका रोग	गौवंश, भैंस, बकरी, भेड़	बांसवाड़ा, भरतपुर, दौसा, श्रीगंगानगर, जयपुर, झुंझुनूं, धौलपुर, सवाई–माधोपुर, अलवर, बून्दी, हनुमानगढ़, चूरू, कोटा, अजमेर, सीकर, बीकानेर
तीन दिन का बुखार	गौवंश, भैंस	जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, जयपुर, चित्तौड़गढ़, अलवर, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा
पी.पी.आर.	बकरी, भेड	जयपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सवाई–माधोपुर, बीकानेर, पाली, सिरोही
चेचक (माता रोग)	बकरी, भेड़, ऊँट	जयपुर, श्रीगंगानगर, बीकानेर, हनुमानगढ़, चित्तौड़गढ़, जैसलमेर, बाड़मेर
गलघोंटू	भैस, गावंश	हनुमानगढ़, धौलपुर, जयपुर, सवाई–माधोपुर, दौसा, टौक, बून्दी, राजसमन्द, पाली, सीकर, चित्तौड़गढ़, श्रीगंगानगर, अलवर, झुंझुनूं, अजमेर
न्यूमोनिक पाश्चुरेलोसिस	गौवंश, भैंस, बकरी, भेड़	सीकर, सिरोही, पाली, जालोर, हनुमानगढ, जयपुर, कोटा, बीकानेर, श्रीगंगानगर, डूंगरपुर, उदयपुर
ठप्पा रोग	गौवंश, भैंस	हनुमानगढ़, जयपुर, बीकानेर, भीलवाड़ा, पाली, राजसमन्द, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा
फड़किया रोग	बकरी, भेड़	सवाई–माधोपुर, बाँसवाड़ा, जयपुर, कोटा, सीकर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, भीलवाड़ा, बारां, बूंदी, हनुमानगढ़
थाइलेरिओसिस एवं बबेसियोसिस	भैंस, गौवंश	बाँसवाड़ा, बीकानेर, बून्दी, धौलपुर, हनुमानगढ़, चूरू, सवाई–माधोपुर, श्रीगंगानगर, जयपुर, जोधपुर, सीकर, डूंगरपुर
सर्रा (तिबरसा)	ऊँट, भैंस	बांसवाड़ा, धौलपुर, हनुमानगढ़, बून्दी, सीकर, श्रीगंगानगर, जयपुर, डूंगरपुर
अन्तः परजीवी (गोल–कृमि एवं पर्ण–कृमि)	भैंस, गौवंश, भेड़, बकरी, ऊँट	डूंगरपुर, कोटा, राजसमन्द, बाँसवाड़ा, सवाई–माधोपुर, भरतपुर, बून्दी, धौलपुर, हनुमानगढ़, सूरतगढ़, सीकर, श्रीगंगानगर, भीलवाड़ा, प्रतापगढ़

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें – प्रो. त्रिभुवन शर्मा, अधिष्ठाता, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर, डॉ. ए.के. कटारिया, प्रभारी अधिकारी, एपेक्स सेन्टर एवं डॉ. अन्जु चाहर, विभागाध्यक्ष, जनपादकीय रोग विज्ञान एवं निवारक पशु औषध विज्ञान विभाग, वेटरनरी कॉलज, बीकानेर । फोन– 0151–2543419, 2544243, 2201183

मुद्रित सामग्री बुक पोस्ट भारत सरकार की सेवार्थ
अंक–14 (9) 2016

सेवामें

.....

.....

.....

प्रेषक –
जन सम्पर्क प्रकोष्ठ
राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर–334 001
Phone: 0151-2200805, Fax: 0151-2200805, E-mail: prcrajuvas@gmail.com
Website: www.rajuvas.org